NIA + JAMNAGAR - 2008

(1) 'युक्तं भुक्तवतो युक्तो ....। (च. चि. 15/51)

(अ) करोति विषम पचन

(ब) व्याधि कर्षणात्

(स) धातुसाम्यं समं पचन

(द) प्रसादजः

(2) एक रोगी जिसका दुष्कोष्ठ है उसे विरेचन औषध देना है। – चरकानुसार ऐसी स्थिति में क्या निर्दिष्ट है ?

(अ) सामान्य मात्रा में बार–बार देना

(ब) मात्रा में बार–बार देना

(स) मृदु औषधि पुनः पुनः देना

(द) उर्पयुक्त में से कोई नहीं

(3) अक्रियायां ध्रुवो मृत्युः क्रियायां संशयो भवेत्। – किससे संबंधित है ?

(अ) ग्रह रोग

(ब) संयास

(स) जठर रोग

(द) उन्माद

(4) चरक संहिता प्रासृतयोगीयां सिद्धि अध्याय में अतिसार के दोषानुसार कितने भेद बतलाये है ? (च. सि. 8/21)

(अ) 4

(ब) 8

(स) 16

(द) 36

(5) चरक संहिता में शोष निदान के अन्तर्गत इसके चार कारण बताये है ? (च. नि. 6/3)

(अ) विषमाशन साहस, क्षय, अग्निह्रास्र

(ब) आतपसेवन, भय, शोक, अतिसाहस

(स) साहस, सन्धारण, क्षय, विषमाशन

(द) बलक्षय, साहस, मानसिक सन्ताप, ज्वर

(6) ''गर्भकोष्ठार्तवागमन वैशेष्यात्'' – किसके सम्बंधित है। (च. नि. 3/13)

(अ) मूढगर्भ

(ब) रक्तप्रदर

(स) गर्भस्राव

(द) रक्त गुल्म

(7) किस व्याधि की उपेक्षा करने पर 'दौर्बल्योरोचकाविपाकश्वासकासज्वरातिसारशोफशोष व पाण्डु'' रोग हो सकते है ?

(अ) प्रमेह

(ब) राजयक्ष्मा

(स) रक्तपित्त

(द) कुष्ठ

(8) एकत्रीभूत दोषों की पुनः कल्पना और अंश के बल की कल्पना कहलाती है ? (च. नि. 1/11)

(अ) प्रादुर्भूत लक्षण

(ब) विकल्प सम्प्राप्ति

(स) विधि सम्प्राप्ति

(द) प्राधान्य सम्प्राप्ति

1. C	**2. C**	**3. C**	**4. D**	**5. C**	**6. D**	**7. C**	**8. B**

(9) ''नानौषधिभूतं जगति किन्चिद् द्रव्यमुपलभ्यते'' – संदर्भ मूलरूप से उद्धत है ? (च. सू 26/12)
(अ) चरक संहिता
(ब) भाव प्रकाश
(स) वाग्भट्ट
(द) शारंर्ग्धर संहिता

(10) दो–दो, तीन–तीन, चार–चार, पॉच–पॉच एंव छः रस आपस में मिलकर क्रमशः द्रव्य बनाते है ?
(अ) 15, 20, 15, 20, 25
(ब) 12, 18, 24, 30, 36
(स) 30, 24, 18, 12, 6
(द) 15, 20, 15, 6, 1

(11) प्रकुपित कफ गले अन्तःप्रदेश में जाकर स्थिर हो जाये, शीघ्र ही शोथ उत्पन्न कर दे तो वह है ? (च.सू. 18/22)
(अ) गुल्म
(ब) गलगण्ड
(स) गलग्रह
(द) गलशुण्डिका

(12) सर्पिवर्ण, मधु के समान रस एंव लाजा के समान गन्ध – किसका लक्षण है ? (च. सू. 17/75)
(अ) मेद धातु
(ब) रस धातु
(स) शुक्र धातु
(द) ओज

(13) ''तैलपन्चक'' निम्न में से किस की चिकित्सा हेतु निर्दिष्ट है –
(अ) वातरक्त
(ब) गुल्म
(स) आमवात
(द) कुष्ठ

(14) ''हृदयं मन्यते च्युतं'' – निम्न में से किस व्याधि का लक्षण हैं ? (च. चि 18/26)
(अ) क्षयज कास
(ब) वातिक कास
(स) क्षतक्षीण
(द) उपर्युक्त सभी

(15) एक रोगी हेतु उसके शुक्र का पानी में डालने पर डूब जाना– कितनी समयावधि का अरिष्ट है ? (च. इ. 11/11)
(अ) 30 दिन
(ब) 15 दिन
(स) 7 दिन
(द) 3 दिन

(16) वातज उन्माद मे 'भयदर्शन' किस प्रकार की चिकित्साा का उदाहरण है ?
(अ) हेतुविपरीतार्थकारी
(ब) व्याधिविपरीतार्थकारी
(स) उभयविपरीतार्थकारी
(द) व्याधि विपरीत

9. A	10. D	11. C	12. D	13. B	14. A	15. A	16. A

(17) सुश्रुत संहिता (डल्हण टीका) में निम्न किसको यन्त्र एवं शस्त्र दोनों के रूप में माना जाता है ? (सु. सू. 8/41)
(अ) मण्डलाग्र
(ब) मुद्रिका
(स) बडिश
(द) कंकमुख

(18) शास्त्रानुसार शल्य चिकित्सा से पूर्व क्रमशः निषिद्ध एवं ग्रहणीय द्रव्य है ? (सु. सू. 17/16)
(अ) भोजन, मद्य
(ब) मद्य, भोजन
(स) उपरोक्त दोनों असत्य है
(द) उपरोक्त तीनों कथन असत्य है

(19) 'पश्चाद्रुज' शरीर के किस भाग को प्रभावित करता है ?
(अ) **Anal area**
(ब) **Peritibial area**
(स) **Cardiac region**
(द) **Scalp**

(20) एक सामान्य मनुष्य के शरीर में ताम्र की मात्रा 100–150 मि. ग्रा. होती है। इसका प्रमुख भाग कहॉ होता है ?
(अ) मांसपेशियॉ
(ब) अस्थियॉ
(स) यकृत
(द) वृक्क

(21) चरक ने अर्श में रक्तस्तम्भनार्थ हेतु किसका निर्देश किया है ? (च. चि. 14/219)
(अ) शतधौत घृत
(ब) सहस्रधौत घृत
(स) उपरोक्त दोनों
(द) उपरोक्त में कोई भी नहीं

(22) अरविन्दासव को मधुर बनाने के लिए उपयोग करते है ?
(अ) गुड
(ब) मधु
(स) शर्करा
(द) शर्करा एवं मधु

(23) Absorption of Tamra (Copper) principally occurs in human from -
(A) Stomuch
(B) Mouth
(C) Duodenum
(D) Ileum

(24) 'चांगेरी घृत' का उपयोग किस व्याधि में उपयोगी है ? (च. चि 19/43)
(अ) पाण्डु
(ब) गुदभ्रंश
(स) कामला
(द) श्वास रोग

17. C	**18. A**	**19. A**	**20. C**	**21. C**	**22. D**	**23. C**	**24. B**

(25) चरक के मतानुसार 'पिप्पली वर्धमान रसायन' का प्रमुख उपयोग किस व्याधि में निर्दिष्ट है ?
(अ) प्लीहोदर
(ब) श्वास
(स) कास
(द) उपरोक्त सभी में

(26) प्रवाल चूर्ण का प्रयोग निर्दिष्ट है ? (च. चि. 26/56)
(अ) वातज मूत्रकृच्छ्र
(ब) पित्तज मूत्रकृच्छ्र
(स) कफज मूत्रकृच्छ्र
(द) उपरोक्त में कोई भी नहीं

(27) A child is suffering with diarrohea since last 6 months, weight of the child is 42 % loss of weight to his expected weight for age and there is no edema than In whiat will be your diagnosis ?
(A) PEM Grade I
(B) PEM Grade II
(C) PEM Grade III
(D) PEM Grade IV

(28) लेहन निम्न में से किस स्थिति में अर्निर्दिष्ट नहीं है ? (का. सू. 1 लेहाध्याय)
(अ) गम्भीर रूप से पीडित मॉ के बच्चे में
(ब) मजबूत शरीर का बालक
(स) कामला से ग्रसित बालक
(द) बालक जो हृद्रोग से पीडित हो

(29) माधव निदान में वर्णित 'विसूचिका' के उपद्रव है ? (माधव निदान 6/25)
(अ) प्रवाहिका
(ब) अनिद्रा, मूत्रह्रास्र, संज्ञानाश
(स) निद्रानाश, अरति, कम्प, मूत्राघात, विसंज्ञता
(द) अनिद्रा, श्यावता, मूत्रह्रास्र

(30) वात्सल्य इससे संबंधित नहीं है ?
(A) Oxytoxin production
(B) Breast milk production due to secretion of prolaction hormone
(C) Letdown reflex
(D) Breast milk flow

(31) प्राणप्रत्यागमन के समय कितनी इन्द्रियों को उत्तेजना प्रदान की जाती है ?
(अ) 1
(ब) 2
(स) 3
(द) 4

(32) एक सामान्य व्यक्ति में श्वसन के दौरान प्रतिदिन होने वाला जल एवं सम ऊर्जा ह्रास्र औसतन होता है ?
(अ) 400 ml, 230 Cal
(ब) 380 ml, 280 Cal
(स) 300 ml, 200 Cal
(द) 200 ml, 100 Cal

25. A	26. C	27. D	28. A	29. C	30. A	31. C	32. A

(33) After consuming a high dose of a drug patient developed anorexia, painful Swelling over long bones and pruritic rashes. It happened due to toxicity of which Vitamin ?

(A) Vit B_6
(B) Vit A
(C) Vit E
(D) Vit D

(34) 'वल्लूर' शब्द का चक्रपाणिकृत अर्थ हैं ?

(अ) शुष्क फलम्
(ब) शुष्क मांसम्
(स) शुष्क शाकम्
(द) शुष्क कन्दम्

(35) बृंहणीय वस्ति का प्रभाव निर्दिष्ट है ?

(अ) वृहदांत्र
(ब) सम्पूर्ण आंत्र में
(स) आंत्र, उदरीय एवं उरः अंगों में
(द) सम्पूर्ण शरीर

(36) 'इन्द्रवडवा' हैं ? (का. क. 7)

(अ) एक प्रकार की जलौका
(ब) जलौका की एक व्याधि
(स) जातहारिणी चिकित्सा में प्रयुक्त मन्त्र
(द) एक जातहारिणी जो कि गर्भाशयान्तगर्त गर्भ मृत्यु को निर्दिष्ट करती है।

(37) अन्नप्राशन संस्कार के समय बालक को कितनी मात्रा में तथा कितनी बार अन्न देना चाहिए है ? (का. खि. 12)

(अ) अगुष्ठमात्रं सुमृदित अन्न 3–4 बार
(ब) अगुष्ठमात्रं सुमृदित अन्न 3–5 बार
(स) अगुंलमात्रं सुमृदित अन्न 3–4 बार
(द) अगुंलमात्रं सुमृदित अन्न 4–5 बार

(38) Kwashiorkar is characterized by all except -

(A) Dermatitis
(B) Oedema
(C) Flag sign
(D) Alertness

(39) 'होम, व्रत, तप, दान तथा शान्तिकर्म' – इस सम्पूर्ण चिकित्सा व्यवस्था का शास्त्रीय नाम है ?

(अ) औषध
(ब) भेषज
(स) पथ्य
(द) उपरोक्त सभी

(40) ''पवनपृथ्वी व्यतिरेकात्' से किस रस का निर्माण होता हैं ? (च. सू. 26/40)

(अ) अम्ल
(ब) लवण
(स) मधुर
(द) कषाय

33. B	**34. B**	**35. D**	**36. D**	**37. B**	**38. D**	**39. B**	**40. D**

(41) गुरू, स्निग्ध व उष्ण गुण किस रस में उपस्थित होते है ? (च. सू. 26/42)
(अ) कटु
(ब) तिक्त
(स) लवण
(द) अम्ल

(42) 'रोचनं दीपनं वातकफदौगन्ध्यर्नाशनम्' है ?
(अ) कार्वी
(ब) रसोन
(स) सरला
(द) पलाण्डु

(43) कौन सा द्रव्य विचित्र प्रत्यारब्ध का उदाहरण हैं ?
(अ) गुडूची
(ब) यष्टिमधु
(स) कुटज
(द) किराततिक्त

(44) 'विदारीगंधा' किसका पर्याय हैं ?
(अ) क्षीरविदारी
(ब) विदारी
(स) शालपर्णी
(द) पृश्निपर्णी

(45) कौनसा द्रव्य कटुचतुर्जातक में सम्मिलित नहीं है ?
(अ) पत्रक
(ब) त्वक्
(स) लंवग
(द) एला

(46) ''पूयशोणित'' रोग हैं ?
(अ) कण्ठरोग
(ब) नासारोग
(स) नेत्र रोग
(द) कर्ण रोग

(47) Boyce's position is given in -
(A) Tooth Extraction
(B) Direct Laryngoscopy
(C) Glomus Juglaris Tumours
(D) PosteriorTonsillectomy

(48) हनुसंधि विश्लेष की स्थिति में कौनसा बंध बॉधते है ? (सु. चि. 3/39)
(अ) स्वस्तिक
(ब) गाोफणा
(स) पंचागी
(द) खटवा

41. C	**42. A**	**43. D**	**44. C**	**45. C**	**46. B**	**47. D**	**48. C**

(49) Round Ligament inserted in -
(A) Labia minora
(B) Clitoris
(C) Vaginal fornix
(D) Labia majora

(50) इनमें से सर्वशरीरव्यापी कला है ? (सु. शा. 4/20)
(अ) मांसधरा
(ब) रक्तधरा
(स) शुक्रधरा
(द) पित्तधरा

(51) All are true about Right kidney except -
(A) Related to the duodenum
(B) Lower than the left kidney
(C) The renal vein is shorter than the left
(D) Preferred over the left for transplantation

(52) असम्मोहश्च वैद्यस्य .... शस्यते।। (सु. सू. 5/10)
(अ) निराश्रय
(ब) कर्माणि
(स) उपर्युक्त दोनों
(द) उपरोक्त में कोई नहीं

(53) निराग्नि स्वेद के संबंध में कौनसा का युग्म ठीक है? (च. सू. 14/64)
(अ) क्षुधा – पिपासा
(ब) क्रोध – शोक
(स) व्यायाम – युद्ध
(द) तप – आतप

(54) अजा के अर्धोदक दुग्ध में सुगंधबाला, उत्पल, नागर व पृश्निपर्णी कल्क से बनाई पेया नष्ट करती है (च.सू.2/21)
(अ) तीव्र ज्वर
(ब) मूत्रकृच्छ
(स) रक्तातिसार
(द) विषम ज्वर

(55) कौन सी अवस्था के लिए चिकित्सा परम आवश्यक है ? (च. सू. 24/42)
(अ) मद
(ब) मूर्च्छा
(स) संन्यास
(द) उपरोक्त सभी हेतु

(56) 'हृदयाद' कौनसा कृमि है ? (च. सू. 19/3(9))
(अ) बाह्य कृमि
(ब) रक्तज कृमि
(स) श्लेष्मज कृमि
(द) पुरीषज कृमि

49. D	**50. C**	**51. C**	**52. D**	**53. C**	**54. C**	**55. C**	**56. C**

(57) बालकों में होने वाला घातक विसर्प रोग है ? (माधव निदान 68/14)
(अ) अहिपूतना
(ब) अजगल्लिका
(स) चर्मदल
(द) महापद्म

(58) वृत्तोन्नतो यः श्वयथुः सदाह कण्डवान्वितोऽपाकमृदुर्गुरूश्च' – किस व्याधि का लक्षण है ? (सु. नि. 16/57)
(अ) बलास
(ब) वलय
(स) एक वृन्द
(द) गिलायु

(59) इस व्याधि से पीडित रोगी यदि 3 दिन बाद भी जीवित रहे, तो उसकी चिकित्सा करनी चाहिए (च. सि. 9/73)
(अ) कृमि ग्रन्थि
(ब) रक्त शिरोरोग
(स) शोणितार्श
(द) शंखक

(60) जिह्वातलाभो मृदुः स्निग्धः श्लक्ष्णो विगतवेदनः – कौनसे व्रण का लक्षण है ? (सु. चि.. 1/7)
(अ) संक्रमित व्रण
(ब) सम्यकरूढ व्रण
(स) रोपणशील व्रण
(द) शुद्ध व्रण

(61) ''शक्र्तिदन्तेषु खडगाग्र विषाणैराशयोहतः' – किस सद्योव्रण को उत्पन्न करते है ? (सु. नि. 2/11)
(अ) छिन्न
(ब) भिन्न
(स) पिच्चित
(द) घृष्ट

(62) अल्पचेष्टा, क्षुद्रश्वास, तृष्णा, मोह, निद्रा, श्वासावरोध, क्षुधा, स्वेद व दौर्गन्ध्य किसके लक्षण है ? (मा. नि. 34/3)
(अ) हृदय रोग
(ब) वृक्क रोग
(स) मेदोरोग
(द) उदर रोग

(63) 'भानुपाक, स्थालीपाक व पुटपाक' क्रम से भस्म निर्माण करते है ?
(अ) केवल लौह भस्म का
(ब) केवल अभ्रक भस्म का
(स) लौह और अभ्रक भस्म का
(द) उपरोक्त में से किसी का नहीं

(64) सुश्रुत निर्देशानुसार हेतुव्याधिविपरीतार्थकारी विहारोपक्रम के अन्तर्गत अनेक दोष युक्त छर्दि में क्या करना चाहिए ?
(अ) छर्दि निग्रहण
(ब) वमन
(स) भ्रमण
(द) उपरोक्त कोई भी नहीं

57. D	**58. C**	**59. D**	**60. D**	**61. B**	**62. C**	**63. A**	**64. B**

(65) ' .... तु खलून्मादकराणां भूतानामुन्मादे प्रयोजनं भवतिः' (च. नि. 7/15)
(अ) द्विविधं
(ब) त्रिविधं
(स) चतुर्विधं
(द) पन्चविधं

(66) ''स च सप्तविधोदोषैर्विज्ञेयः सप्त धातुक'' – किसके संदर्भ में कहा गया है ?
(अ) प्रमेह
(ब) उदररोग
(स) विसर्प
(द) ज्वर

(67) पंचामृत पर्पटी के भाग है ?
(अ) ताम्र एवं तुत्थ भस्म
(ब) अभ्रक एवं मण्डूर भस्म
(स) पारद एवं गंधक
(द) उपरोक्त में से कोई नही

(68) पक्वबिम्बफलच्छायं वृत्तायतमवक्रकम् – लक्षण है ? (र. र. समु. 4/17)
(अ) माणिक्य
(ब) प्रवाल
(स) मुक्ता
(द) उपरोक्त में कोई नही

(69) ''भाविव्याधि बोधकमेव लिंगम् पूर्वरूपम् '' परिभाषा किस आचार्य द्वारा निर्देशित है ?
(अ) चक्रपाणि
(ब) डल्हण
(स) माधवकर
(द) गंगाधर

(70) लक्षण के आधार पर ''कुपण गंधि आर्तवदुष्टि'' को किस आधुनिक व्याधि के समकक्ष रखा जा सकता है ?
(A) Endometrial Carcinoma
(B) Chronic pelvic cervicitis
(C) Acute infection of reproductive system
(D) Cervical carcinoma

(71) ऋतु, क्षेत्र, अम्बु और बीज – गर्भ उत्पत्ति के संदर्भ क्या होते है ? (सु. शा. 2/35)
(अ) गर्भोपघातकर भाव
(ब) गर्भवृद्धिकर भाव
(स) गर्भोत्पत्ति सामग्री
(द) गर्भोत्पादक भाव

(72) जो वस्तु जैसी है उसको उसी रूप में ग्रहण करना कहलाता है ?
(अ) प्रमा
(ब) प्रमेय
(स) प्रमाता
(द) एतिह्य

65. B	**66. C**	**67. C**	**68. B**	**69. C**	**70. A**	**71. C**	**72. A**

(73) दर्शन के अनुसार भौतिक परिवर्तन हेतु प्रयुक्त प्रक्रिया कहलाती है ?
(अ) पीलू पाक
(ब) पिठर पाक
(स) परिणाम
(द) प्रकृति

(74) ''पथ्य ही भोजन करना चाहिए'' – उक्त कथन किस तंत्रयुक्ति का उदाहरण हैं ? (सु. उ. 65/37)
(अ) स्वसंज्ञा
(ब) निदर्शन
(स) नियोग
(द) समुच्चय

(75) उत्तर वस्ति परिचर्या के अन्तर्गत चरक ने कितनी बातों को विशेष रूप से वर्जनीय बताया है ? (च. सि. 12/10)
(अ) 8
(ब) 7
(स) 6
(द) 5

(76) सामान्यावस्था में एक व्यक्ति का मस्तिष्क, यकृत, वृक्क एवं हृदय क्रमशः कितने रक्तमात्रा/मिनिट प्राप्त करते है
(अ) 750, 1500, 1200, 200 ml
(ब) 1500, 750, 200, 1200 ml
(स) 1200, 200, 1500, 750 ml
(द) 200, 1200, 1500, 750 ml

(77) शीत,उष्ण, स्निग्ध,रूक्षादि उपक्रमों से भी शान्त न होने वाले शाखानुसारी ज्वर की चिकित्सा है ? (च.चि. 3/289)
(अ) सर्पिपान
(ब) विरेचन
(स) निरूह वस्ति
(द) रक्तावसेचन

(78) किस माह में गर्भ 'सुख दुख का अनुभव' करना प्रारम्भ कर देता है ? (का. शा. 2)
(अ) तृतीय
(ब) चतुर्थ
(स) षष्टम्
(द) सप्तम्

(79) शरीर का ''गौर वर्ण'' किन महाभूतों निम्न संयोग से उत्पन्न होता है ? (सु. शा. 2/37)
(अ) तेज, जल, आकाश
(ब) तेज, पृथ्वी, वायु
(स) आकाश, वायु, जल
(द) आकाश, जल, पृथ्वी

(80) 'पिण्डिकोद्वेष्टन' किसके वेगावरोध का लक्षण है ? (च. सू. 7/8)
(अ) मूत्र
(ब) पुरीष
(स) शुक्र
(द) श्रमःनिश्वास

73. B	74. C	75. A	76. A	77. D	78. A	79. A	80. B